|  |
| --- |
| 25. Januar  |
| **Fest Bekehrung des Hl. Apostels Paulus** |
| Lesung: Apg 22,1a.3-16 oder Apg 9,1-22; Evangelium: Mk 16,15-18 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 481, 1+4+5 | Sonne der Gerechtigkeit |
|  | GL 489, 1-3 | Lasst uns loben |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 161 | Du rufst uns, Herr |
|  | GL 130 | Herr, erbarme dich (Paulus-Messe) |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 171 | Preis und Ehre |
|  | GL 131 | Ehre sei Gott in der Höhe |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 117, 1-2 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 454 | Geht in alle Welt |
|  | oder |  |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 386 | Laudate omnes gentes |
|  | oder Psalmenlied: |  |
|  | GL 393 | Nun lobet Gott im hohen Thron |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 6 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |
|  | *Ich habe euch erwählt und dazu bestimmt,* |
|  | *dass ihr Frucht bringt und dass eure Frucht bleibt.* |
|  |  |
| Gabenbereitung: | GL 485, 1+2+4 | O Jesu Christe, wahres Licht |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 199 | Heilig |
|  | GL 132 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
|  | GL 133 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 484, 1+6 | Dank sei dir, Vater |
|  | GL 453 | Bewahre uns, Gott |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 395, 1-3 | Den Herren will ich loben |